980502 - C1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - IX
कक्षा - IX

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क

1. **अपठित गद्यांश :** 5

हमारे देश को दो बातों की सबसे पहले और सबसे ज्यादा जरूरत है। एक शक्तिबोध और दूसरा सौंदर्यबोध। शक्तिबोध का अर्थ है – देश की शक्ति या सामर्थ्य का ज्ञान। दूसरे देशों की तुलना में अपने देश को हीन नहीं मानना चाहिए। इससे देश के शक्तिबोध को आघात पहुँचता है। सौंदर्यबोध का अर्थ है किसी भी रूप में कुरुचि की भावना को पनपने न देना। इधर-उघर कूड़ा फैंकने, गंदे शब्दों का प्रयोग, इधर की उधर लगाने, समय देकर न मिलना आदि से देश के सौंदर्य-बोध को आघात पहुँचता है। देश के शक्तिबोध को जगाने के लिए हमें चाहिए कि हम सदा दूसरे देशों की अपेक्षा अपने देश को श्रेष्ठ समझें। ऐसा न करने से देश के शक्तिबोध को आघात पहुँचता है। यह उदाहरण इस तथ्य की पुष्टि करता है – शल्य महाबली कर्ण का सारथी था। जब भी कर्ण अपने पक्ष की विजय की घोषणा करता, हुँकार भरता, वह अर्जुन की अजेयता का एक हल्का सा उल्लेख कर देता। बार-बार इस उल्लेख ने कर्ण के सघन आत्मविश्वास में संदेह की तरेड़ डाल दी, जो उसके भावी पराजय की नींव रखने में सफल हो गई।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए –

(क) शक्तिबोध का अर्थ है? 1

(i) अपनी शक्ति दिखाना
(ii) दूसरे की ताकत को आज़माना
(iii) शेखी बघारना
(iv) देश की शक्ति या सामर्थ्य का ज्ञान

(ख) दूसरे देश की अपेक्षा अपने देश को श्रेष्ठ क्यों समझना चाहिए? 1

(i) इससे देश की शक्तिबोध को आघात नहीं पहुँचता है
(ii) इससे देश की शक्तिबोध को आघात पहुँचता है
(iii) एक देश के लोग दूसरे देश के लोगों से गले मिलते हैं
(iv) नींव पड़ती है

(ग) सारथी शल्य ने कर्ण की पराजय की नींव कैसे डाली? 1

(i) युद्धक्षेत्र में रथ रोककर
(ii) युद्धक्षेत्र में कर्ण को अकेला छोड़कर
(iii) कर्ण के आत्मविश्वास में अर्जुन का उल्लेख कर
(iv) कर्ण के आत्मविश्वास में संदेह की तरेड़ डालकर

(घ) किस बात से देश के सौंदर्यबोध को आघात पहुँचता है? 1

(i) इधर-उधर कूड़ा फेंकने से
(ii) गंदे शब्दों के प्रयोग से
(iii) इधर की उधर लगाने से
(iv) उपर्युक्त सभी

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है – 1

(i) अजेय (ii) विजय
(iii) देशप्रेम (iv) भावनाओं का खेल

2. **अपठित गद्यांश :** 5

साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है, उसकी अटारियाँ, मीनार और गुंबद बनते हैं, लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है। उसे देखने का भी जी नहीं चाहेगा। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए अनंत है, अबोध्य है, अगम्य है। साहित्य मनुष्य की सृष्टि है, इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिचित है। जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं, हमें मालूम नहीं लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून है, जिनसे वह इधर-उधर नहीं हो सकता। जीवन का उद्देश्य ही आनंद है। मनुष्य जीवनपर्यंत आनंद की ही खोज में लगा रहता है। किसी को वह रत्न द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में। लेकिन साहित्य का आनंद इस आनंद से ऊँचा है, इससे पवित्र है, उसका आधार सुंदर और सत्य से मिलता है। उसी आनंद को दर्शाना, वही आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है। ऐश्वर्य या भोग के आनंद में ग्लानि छिपी होती है। उससे अरुचि भी हो सकती है, पश्चाताप भी हो सकता है पर सुंदर से जो आनंद प्राप्त होता है, व अखंड है, वह अमर है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए

(क) साहित्य मनुष्य के सामने जवाबदेह है। कैसे? 1

(i) साहित्य मर्यादाओं से बंधा है

(ii) साहित्य मनुष्य की सृष्टि है

(iii) साहित्य आनंद है

(iv) उपर्युक्त सभी

(ख) जीवन परमात्मा की सृष्टि किस तरह है? 1

(i) अबोध्य है, अगम्य है, अनंत है

(ii) सुबोध है, सुगम है

(iii) जीवनपर्यंत आनंद की खोज

(iv) अखंड है, अमर है

(ग) मनुष्य जीवन की खोज में क्यों लगा रहता है? 1

(i) पश्चाताप करने के लिए

(ii) परमात्मा से मिलने के लिए

(iii) भौतिक आनंद लेने के लिए

(iv) उद्देश्यहीन

(घ) मनुष्य में ग्लानि कब पैदा होती है? 1

(i) जब वह कोई आनंद प्राप्त नहीं करता है

(ii) जब भौतिक आनंद में सच्चा आनंद प्राप्त नहीं करता है

(iii) जब उद्देश्य में सफल नहीं होता है

(iv) जब वह अपने अनुसार जीना चाहता है

(ङ) साहित्य की दीवार किस नींव पर खड़ी होती है? 1

(i) जीवन (ii) मृत्यु

(iii) ऐश्वर्य (iv) ग्लानि

3. **अपठित काव्यांश :** 5

मैं तो मात्र मृत्तिका हूँ -
जब तुम
मुझे पैरों से रौंदते हो
तथा हल के फाल से विदीर्ण करते हो
तब मैं -
धन धान्य बनकर मातृरूपा हो जाती हूँ।
जब तुम
मुझे हाथों से स्पर्श करते हो
तथा चाक पर चढ़ाकर घुमाने लगते हो
तब मैं
कुंभ और कलश बनकर
जल लाती तुम्हारी अंतरंग प्रिया हो जाती हूँ।
जब तुम मुझे मेले में मेरे खिलौने रूप पर
आकर्षित होकर मचलने लगते हो
तब मैं -
तुम्हारे शिशु-हाथों में पहुँच प्रजारूपा हो जाती हूँ।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्प से छाँटिए-

(क) मृत्तिका मातृरूपा कब होती है? 1

(i) धन-धान्य से पूर्ण
(ii) चाक पर चढ़ती है
(iii) जब कलश बनती है
(iv) जब खिलौना बनती है

(ख) मृत्तिका को हाथों से स्पर्श करने पर क्या होता है? 1

(i) जल लाती अंतरंग प्रिया
(ii) मिट्टी
(iii) कुंभ और कलश के रूप में जल लाती अंतरंग प्रिया
(iv) कुछ भी नहीं

(ग) मिट्टी को हल के फाल से विदीर्ण करने पर क्या होता है? 1

(i) उपजाऊ
(ii) ऊसर
(iii) पथरीला
(iv) मात्र तुच्छ मृत्तिका

(घ) कविता में मनुष्य की किस शक्ति का उल्लेख किया गया है? 1

(i) स्वार्थ (ii) पुरुषार्थी
(iii) सुन्दरता (iv) कुरूपता

(ङ) मिट्टी के विविध रूपों का निर्माणकर्ता है – 1

(i) मानव (ii) ईश्वर

(iii) प्रकृति (iv) परिस्थिति

4. अपठित काव्यांश : **5**

एक नन्हा घोंसला
उड़ता न आँधी में अकेला,
पड़ गया पाला अगर
तो एक टहनी ने न झेला।
तू अकेला ही नहीं है,
जो अकेला चल रहा है,
और तलुवों के तले भी
यह धरातल जल रहा है।
सोच तो क्या बाढ़ आई है अकेले को डुबाने।
एक तिनका ढूँढ़ती, असहाय बाँहें और भी हैं।
एक तेरी ही नहीं, सुनसान राहें और भी हैं,
कल सुबह की इंतजारी में निगाहें और भी है।
और भी हैं ओंठ जिन पर
वेदना मुस्कान बनती
नींद तेरी ही न केवल
स्वप्न की पहचान बनती
पूजना पत्थर अकेले एक तुझको ही नहीं
'आह' बनने के लिए मजबूर आहें और भी हैं।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्प से छाँटिए –

(क) पाला पड़ने पर टहनी पर क्या बीतती है? **1**

(i) टहनी हरी-भरी हो जाती है।

(ii) टहनी टूट कर गिर जाती है।

(iii) टहनी पर कोई असर नहीं होता।

(iv) टहनी सब झेल लेती है।

(ख) 'तू अकेला ही नहीं है' का तात्पर्य है : **1**

(i) सिर्फ तू अकेला है

(ii) कोई साथ जाने को तैयार नहीं है

(iii) प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सभी अकेले चल रहे हैं

(iv) तलुआ जल रहा है

(ग) 'असहाय बाँहें और भी हैं' में कवि ने कहना चाहा है – 1

(i) सहारा पाने के लिए अनेक असहाय बाँहें

(ii) और भी हैं अभाव ग्रस्त

(iii) व्यथित और द्रवित और की हैं

(iv) उपर्युक्त सभी

(घ) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किसका चित्रण किया है? 1

(i) काल्पनिक/कल्पना

(ii) यथार्थवादी/यथार्थ

(iii) दार्शनिक/दर्शन

(iv) साहित्यिक/साहित्य

(ङ) कल सुबह की इंतजारी में औरों की निगाहें क्यों लगी है? 1

(i) अनुकूल परिस्थिति की प्रतीक्षा

(ii) एक साथ सामना करने के लिए प्रयत्नशील

(iii) निराशा से उबरने की कोशिश

(iv) उपर्युक्त सभी

खण्ड–ख

5. (i) 'कंपन' का वर्ण विच्छेद है : 1

(क) क् + अ + म् + प् + अ + न् + अ

(ख) क् + म् + अ + प् + अ + न् + अ

(ग) क + म् + अ + प् + न् + अ

(घ) क् + म + प + अ् + न् + अ

(ii) 'ऐच्छिक' का सही वर्ण विच्छेद है : 1

(क) ऐ + च् + इ + छ् + क् + अ

(ख) ऐ + च् + इ + छ् + अ + क् + अ

(ग) ऐ + च् + छ् + इ + क् + अ

(घ) ऐ + च् + अ + छ् + इ + क् + अ

(iii) 'श्रीमती' शब्द का वर्ण विच्छेद है : 1

(क) श्र + ई + म् + अ + त् + ई

(ख) श्र + र् + ई + म् + अ् + त् + ई

(ग) श् + र् + ई + म् + त् + ई

(घ) श् + र् + ई + म् + अ + त् + ई

(iv) 'कङगला' शब्द का सही मानक शब्द है : 1

(क) कण्गला (ख) कगंला

(ग) कंगला (घ) कन्गला

6. (i) नीचे दिए शब्दों में से सही अनुनासिक शब्द छाँटिए – 1

(क) महिलाँए

(ख) महिलाएँ

(ग) महिलाँएं

(घ) महिलांएँ

(ii) निम्नलिखित में से सही नुक्ता वाले शब्द छाँटिए – 1

(क) अशराफ़, फन

(ख) राज़, अश़राफ़

(ग) ज़रा, राज

(घ) फ़न, फ़लक

(iii) सुरक्षित शब्द में उपसर्ग व मूल शब्द है – 1

(क) सुर + अक्षित

(ख) सुर + क्षित

(ग) सु + रक्षित

(घ) सुरअ + क्षित

(iv) 'उपमान' में प्रयुक्त उपसर्ग है– 1

(क) उपम (ख) उप

(ग) उ (घ) उपमा

7. (i) 'धूमिल' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है– 1

(क) अइल (ख) इल

(ग) मिल (घ) मइल

(ii) 'संपादकीय' में मूल शब्द व प्रत्यय है – 1

(क) संपाद + कीय

(ख) संपादकी + इय

(ग) संपादक + ईय

(घ) संपाद + इय

(iii) 'बरकत' शब्द का पयार्यवाची है – 1

(क) दुर्भाग्य

(ख) सौभाग्य

(ग) आशा

(घ) निराशा

(iv) 'गम' शब्द का पयार्यवाची नहीं है – 1

(क) दु:ख (ख) कष्ट

(ग) पीड़ा (घ) अंदाजा

8. (i) 'अनुकूल' शब्द का विलोम है - 1

(क) कूल (ख) अवकूल

(ग) प्रतिकूल (घ) निश्चित

(ii) 'न्यून' शब्द का विलोम नहीं है- 1

(क) अधिक (ख) ज्यादा

(ग) कम (घ) बहुत

(iii) 'ग्रहण' का अनेकार्थक शब्द है- 1

(क) दोष (ख) देवता

(ग) घना (घ) भारी

(iv) 'पानी' शब्द का अनेकार्थक शब्द नहीं है - 1

(क) जल (ख) भान

(ग) चमक (घ) अपमान

9. (i) 'तेज गति से चलने वाला' के लिए उचित शब्द है - 1

(क) द्रुतगामी

(ख) दुष्कर

(ग) अस्तगामी

(घ) घुमक्कड़

(ii) 'कृतघ्न' के लिए उपयुक्त वाक्यांश है - 1

(क) जो उपकार को माने

(ख) जो उपकार को न माने

(ग) जो उपकार करे

(घ) जो उपकार न करे

(iii) 'अगर-मगर करना' मुहावरे का अर्थ है - 1

(क) बुद्धिमान

(ख) उदासीन हो जाना

(ग) टालमटोल करना

(घ) आलिंगन करना

(iv) अपने जेब के पैसे खर्च करो तब तुम्हें .....। उचित मुहावरा भरिए। 1

(क) एड़ी चोटी का जोर लगाना

(ख) आटे-दाल का भाव मालूम होना

(ग) अन्न जल उठना

(घ) अरमान निकालना

खण्ड-ग

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटिए **5**

दुनिया में बादशाह है सो है वह भी आदमी
और मुफ़लिस-ओ-गदा है सो है वो भी आदमी
ज़रदार बेनवा है सो है वो भी आदमी
निअमत जो खा रहा है सो है वो भी आदमी
टुकड़े चबा रहा है सो है वो भी आदमी

(क) इस पद में कवि ने आदमी के कितने रूपों का बयान किया है? **1**

(i) सात
(ii) दो
(iii) पाँच
(iv) छह

(ख) दुनिया में बादशाह कौन है? **1**

(i) आदमी
(ii) प्रकृति
(iii) ईश्वर
(iv) निअमत खाने वाला

(ग) प्रस्तुत काव्यांश में आदमी के किस बुरे पक्ष को दर्शाया है? **1**

(i) मुफ़लिस-ओ-गदा।
(ii) टुकड़े चबा रहा।
(iii) बेनवा।
(iv) उपर्युक्त सभी।

(घ) उपर्युक्त कवितांश के रचनाकार हैं - **1**

(i) अकबरावादी
(ii) नज़ीर अकबरावादी
(iii) नजीर अकबर
(iv) अकबर नज़ीर

(ङ) 'निअमत जो खा रहा' का अर्थ है- **1**

(i) स्वादिष्ट पकवान खाने वाला
(ii) दो वक्त की रोटी का जुगाड़ करने वाला
(iii) भूखा रहने वाला
(iv) खाने से परेशान रहने वाला

अथवा

रहिमन निज संपत्ति बिना, कोउ न विपत्ति सहाय।
बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सके बचाय॥
रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।
पानी गए न उबरै, मोती, मानुष, चून।

(क) जलहीन कमल की रक्षा सूर्य क्यों नहीं कर सकता? 1

(i) कमल की रक्षा करने में उसकी कोई रुचि नहीं
(ii) केवल जल ही कमल को जीवन दे सकता है।
(iii) दोनों झगड़ालू प्रवृत्ति के
(iv) सूरज को मनमानी पसंद

(ख) 'बिन पानी सब सून' का क्या अर्थ है? 1

(i) सुनना
(ii) सुनाई न देना
(iii) बिना पानी सब व्यर्थ (शून्य)
(iv) किसी-किसी की सुनना

(ग) मोती, मानुष, चून के संदर्भ में पानी का अर्थ है - 1

(i) चमक, इंसान, मात्रा
(ii) चमक, इज्जत, जल
(iii) मूल्य, इज्जत, प्रयोग
(iv) चमक, बदनाम, प्रयोग

(घ) अपनी संपत्ति कब काम आती है? 1

(i) विपत्ति में,
(ii) कुसमय में,
(iii) मुसीबत में
(iv) उपर्युक्त सभी

(ङ) रहीम ने पानी को इतना महत्त्व क्यों दिया है? 1

(i) जल ही जीवन है
(ii) अत्यधिक पानी से बाढ़ आती है
(iii) पानी की कमी से सूखा पड़ता है
(iv) पानी पीने से स्वास्थ्य ठीक रहता है

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए। **2.5+2.5=5**

(क) लोपसांग ने तंबू का रास्ता कैसे साफ किया?
(ख) अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए भगवाना क्या करता था?
(ग) शहर में धूल-धक्कड़ के होते हुए भी गोधूलि कहाँ? तात्पर्य समझाइए?
(घ) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि पोशाक हमारे लिए बंधन और अड़चन बनती है?

12. बिना सहयोग एवं सहायता की भावना से सम्मिलित अभियान संभव नहीं है। लेखिका बचेंद्री पाल ने ऐसा क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

लेखक ने 'धूल' की किस माहात्म्य और उपलब्धता को दिखाया है?

13. **किसी एक गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें -** 5

ल्हाटू एक नायलॉन की रस्सी लाया था। इसलिए अंगदोरजी और मैं रस्सी के सहारे चढ़े, जबकि ल्हाटू एक हाथ से रस्सी पकड़े हुए बीच में चला। उसने रस्सी अपनी सुरक्षा की बजाय हमारे संतुलन के लिए पकड़ी हुई थी। ल्हाटू ने ध्यान दिया कि मैं इन ऊँचाइयों के लिए सामान्यत: आवश्यक चार लीटर ऑक्सीजन की अपेक्षा, लगभग ढाई लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट की दर से लेकर चढ़ रही थी। मेरे रेगुलेटर पर जैसे ही उसने ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाई, मुझे महसूस हुआ कि सपाट और कठिन, चढ़ाई भी अब आसान लग रही थी।

(क) बचेंद्री को राहत कब महसूस हुई? 2

(ख) ल्हाटू ने रस्सी क्यों पकड़ी थी? 2

(ग) ल्हाटू ने किस बात पर ध्यान दिया? 1

अथवा

परचून की दुकान पर बैठे लालाजी ने कहा, ''अरे भाई, उनके लिए मरे जिए का कोई मतलब न हो, पर दूसरे के धर्म-ईमान का तो ख्याल करना चाहिए। जवान बेटे के मरने पर तेरह दिन का सूतक होता है और वह यहाँ सड़क पर बाजार में आकर खरबूजे बेचने बैठ गई। हजार आदमी आते-जाते हैं। कोई क्या जानता है कि इसके घर में सूतक है। कोई इसके खरबूजे खा ले तो उसका ईमान-धर्म कैसे रहेगा? क्या अँधेर है?''

(क) कितने दिन का सूतक होता है? 1

(ख) बुढ़िया के खरबूजे खा लेने पर लाला जी के अनुसार क्या हो सकता है? 2

(ग) लाला जी ने क्या कहा? 2

14. (क) कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है और क्यों? 2

(ख) रहीम ने एक को साधने की बात क्यों कही है? 1

(ग) कवि रैदास कैसी भक्ति करना चाहते हैं? 2

15. गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समीप है? 3

अथवा

'स्मृति' पाठ में किन-किन बाल सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है?

16. त्रिपुरा 'बहुधार्मिक समाज' का उदाहरण कैसे बना? 2

खण्ड-घ

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : **5**

(क) **जीवन में त्योहारों का महत्त्व :**

त्योहार है संस्कृति..... परंपरा व सभ्यता की पहचान ..... सौहार्द्रपूर्ण वातावरण ..... स्वच्छंदता से मनाने का अधिकार

(ख) **प्रदूषण :**

विकसित व विकासशील के कारण प्रकृति का सर्वनाश ..... वायुमंडल में रसायन का फैलाव ..... प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग

(ग) **आलस्य परम शत्रु :**

प्रमाद का एक रूप ..... दोषारोपण करने की प्रवृत्ति ..... भाग्यवादी ..... संकुचित स्वर ..... थोड़े में संतोष

18. पिताजी को पत्र लिखकर सूचित कीजिए कि आप ग्रीष्मावकाश में क्या करना चाहते हैं? **5**

अथवा

अपने भाई के विवाह के अवसर पर उपस्थित रहने के लिए सखी/मीत्र को निमंत्रण-पत्र लिखिए।

- o O o -